5. लोकतंत्र की चुनौतियाँ

1. क्या शिक्षा का अभाव लोकतंत्र के लिए चुनौती है ?

उत्तर - सजग एवं जागरूक जनता और प्रबुद्ध जनमत लोकतंत्र का रखवाला है। शिक्षित जनता ही राजनीति के प्रति सजग और अधिकारों के प्रति जागरूक हो सकती है। शिक्षित जनता ही प्रबुद्ध जनमत की अभिव्यक्ति कर सकती है। शिक्षा ही अधिकारों के प्रति जागरूक बनाती है। शिक्षा के अभाव में मतदाता अपने मताधिकार का सही प्रयोग नहीं कर पाते हैं। मताधिकार के दुरुपयोग से लोकतंत्र की नींव कमजोर होती है। शिक्षा का अभाव लोगों को सरकार के प्रति लापरवाह और उदासीन बना देता है। उन्हें सरकार के काम-काज में दिलचस्पी नहीं रहती है। अतः, अशिक्षा के अंधकार को मिटाना और शिक्षा का प्रसार करना लोकतंत्र की सफलता के लिए आवश्यक है।

2. भारतीय लोकतंत्र की समस्याओं को दूर करने के लिए उठाए गए किन्हीं चार कदमों का वर्णन करें।

उत्तर - भारतीय लोकतंत्र की समस्याओं को दूर करने के लिए उठाए गए चार कदम निम्नांकित हैं।

(i) निरक्षरता दूर करने के लिए सघन कार्यक्रम जारी है। भारत सरकार ने एक राष्ट्रीय शिक्षा नीति बनाई है। (ii) स्थानीय स्वशासन लोकतंत्र की सफलता के लिए आवश्यक है। स्थानीय स्वशासन से जनता को लोकतंत्र की समस्याओं की जानकारी मिल जाती है। पंचायती राज की स्थापना और भारतीय संविधान में स्थानीय स्वशासन को ठोस रूप देने का प्रावधान इसी दिशा में

उठाए गए कदम हैं। (iii) नागरिकों में राजनीतिक सजगता लाने के लिए भी प्रयास किए गए हैं। संचार के विभिन्न साधनों द्वारा उन्हें राजनीतिक रूप से सचेत किया जा रहा है। (iv) बेरोजगारों को रोजगार के नए-नए अवसर दिए जा रहे हैं।

3. लोकतांत्रिक सुधार क्यों आवश्यक हैं? वर्णन करें।

उत्तर - प्रत्येक लोकतांत्रिक व्यवस्था की कुछ कमजोरियाँ होती हैं। उदाहरण के लिए, चिली में लोकतांत्रिक सरकार है, लेकिन वहाँ कई संस्थाओं पर सेना का प्रभुत्व है। दक्षिण अफ्रीका में गोरे अल्पसंख्यकों को दी गई रियायतें वापस लेने का दबाव है। सऊदी अरब में महिलाओं को सार्वजनिक गतिविधियों में भाग लेने की मनाही है। बेल्जियम में डचभाषी तथा श्रीलंका में तमिल असंतुष्ट हैं। नेपाल तथा पाकिस्तान में बराबर राजनीतिक अस्थिरता की स्थिति बनी हुई रहती है। इन समस्याओं का निराकरण लोकतांत्रिक सुधारों से ही संभव है।

4. वंशवाद से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर - भारतीय राजनीति में वंशवाद की परंपरा विकसित हो रही है। यहाँ के राजनीतिक दलों में नेतृत्व का संकट है। अधिकांश राजनीतिक दल ऐसे हैं जिनमें सर्वमान्य नेता का अभाव है। शीर्ष पदों पर आसीन अधिकांश नेता अपने सगे- संबंधियों, भाई-बंधुओं एवं मित्रों को दलों के प्रमुख पदों पर बैठाते हैं और यह सिलसिला लगभग निरंतर चलता रहता है। इसका परिणाम यह होता है कि दल के सामान्य एवं पुराने कार्यकर्ता को ऊपर के पदों पर

बैठने की संभावना क्षीण हो जाती है। वे घोर निराशा में कभी-कभी उस दल से पलायन कर जाते हैं। राजनीतिक दलों के समक्ष वंशवाद की समाप्ति एक प्रमुख चुनौती है।

लोकतंत्र की चुनौतियाँ

1. परिवारवाद और जातिवाद बिहार में किस तरह लोकतंत्र को प्रभावित करते हैं?

उत्तर - बिहार की राजनीति में जातिवाद और परिवारवाद एक स्थापित तथ्य बन गया है। 20वीं सदी के सातवें दशक में जातियाँ राजनीति की धुरी बनकर सामने आईं। जातियों को गोलबंद कर जातीय भावना फैलाई जाती है। इस भावना का इस्तेमाल कर राजनीतिक सत्ता की प्राप्ति की कोशिश की जाती है। जाति के आधार पर चुनाव में प्रत्याशी चुने जाते हैं। मंत्रिमंडल के गठन में जाति का विशेष रूप से ध्यान रखा जाता है। फलतः, बिहार की राजनीति जातियों के इर्द-गिर्द घूमती है।

परिवार के लोगों को आगे लाने की कोशिश में जाति का तत्त्व सहायक होता है। यह प्रवृत्ति राजनीति की छवि और लोकतंत्र की पारदर्शिता को प्रभावित करती है। सच्चाई तो यह है कि बिहार एवं भारत में जाति एवं राजनीति इस प्रकार घुले-मिले हैं कि इन दोनों को एक दूसरे से अलग रखकर देखा ही नहीं जा सकता। ये दोनों कारक परस्पर एक दूसरे को गहरे ढंग से प्रभावित करते हैं। प्रसिद्ध शिक्षाविद् डा० इकबाल नारायण एवं स्व० जगजीवन राम ने भी

इस तथ्य को स्वीकार किया है कि परिवारवाद और जातिवाद को बिहार की राजनीति से अलग करके देखा ही नहीं जा सकता।

अंततः, यह कहा जा सकता है कि परिवारवाद एवं जातिवाद बिहार में लोकतंत्र को काफी हद तक प्रभावित करते हैं।

2. न्यायपालिका की भूमिका लोकतंत्र की चुनौती है। कैसे? इसे सुधारने के क्या उपाय हैं?

उत्तर - वर्तमान दौर में न्यायपालिका की भूमिका वास्तव में लोकतंत्र की चुनौती है। अनेक अवसरों पर ऐसा देखा गया है कि न्यायपालिका को कानून एवं विधि व्यवस्था के क्षेत्र में सक्रिय होना पड़ा है। और ऐसा तभी होता है जब विधायिका एवं कार्यपालिका अपने अधिकारों एवं दायित्वों के निर्वहन में विलंब, लापरवाही अथवा निष्क्रियता बरतते हैं। लाचार होकर कई बार न्यायपालिका ऐसी स्थिति में उन्हें फटकार लगाती है। अपराधी प्रवृत्ति के व्यक्तियों द्वारा चुनाव लड़े जाने पर रोक हेतु न्यायपालिका ने कई बार कड़े कदम उठाए हैं, जबकि अपराधी प्रवृत्ति के लोगों द्वारा राजनीति में प्रवेश करने के तरीके में सुधार हेतु कानून निर्माण का कार्य विधायिका को करना चाहिए तथा इसे लागू करने का कार्य कार्यपालिका को करना चाहिए।

विधायिका एवं कार्यपालिका को अपने अधिकार, कर्तव्य एवं उत्तरदायित्वों के प्रति सजग रहना होगा ताकि शासन का तीसरा अंग उनपर हावी न हो। जनहित याचिकाओं की बढ़ती तादाद के कारण भी न्यायपालिका के कार्यों में

वृद्धि हुई है जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि यह अपनी सीमा लाँघ रही है। अतः, स्पष्ट है कि न्यायपालिका की भूमिका लोकतंत्र की चुनौती है।

3. वर्तमान भारतीय राजनीति में लोकतंत्र के समक्ष कौन-कौन-सी चुनौतियाँ हैं? विवेचना करें।

उत्तर - भारतीय लोकतंत्र के समक्ष दो महत्त्वपूर्ण चुनौतियाँ हैं - लोकतंत्र के विस्तार की चुनौती एवं लोकतंत्र को सशक्त बनाने की चुनौती । लोकतंत्र के विस्तार की चुनौती का अर्थ है कि सत्ता में साझेदारी को विस्तृत बनाया जाए। इसी उद्देश्य से भारतीय लोकतंत्र में विकेंद्रीकरण के सिद्धांत को अपनाया गया है। सरकार की सत्ता को कई स्तरों पर बाँट दिया जाता है- केंद्र, राज्य तथा स्थानीय स्वशासन की इकाइयाँ । भारतीय लोकतंत्र में सभी स्तर की संस्थाओं को लोकतांत्रिक बनाने की आवश्यकता है। सत्ता में साझेदारी को विस्तृत बनाने के लिए वंश, लिंग, जाति, धर्म, संप्रदाय, भाषा, स्थान आदि के आधार पर भेदभाव समाप्त करने की चुनौती है। इसके लिए भारत में अनेक प्रयास किए गए हैं। पंचायती राज की स्थापना की गई है। शासन कार्य में लोगों की दिलचस्पी पैदा की जा रही है। सत्ता में साझेदारी को विस्तृत करने के लिए पंचायती / नगरीय संस्थाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। बिहार की पंचायती/नगरीय संस्थाओं में इस आरक्षण का प्रतिशत 50 कर दिया गया है। इसके बावजूद स्थानीय स्वशासन को और भी सशक्त बनाने की आवश्यकता है। इसके साथ-साथ विधानसभा और लोकसभा में भी महिलाओं के लिए स्थान आरक्षित करने की आवश्यकता है।

भारतीय लोकतंत्र के समक्ष दूसरी महत्त्वपूर्ण चुनौती लोकतंत्र को और अधिक सशक्त बनाने की है। लोकतंत्र का दूसरा नाम प्रातिनिधिक सरकार है। अतः, हमारे प्रतिनिधियों को उत्तरदायी एवं कुशल बनने की आवश्यकता है। इसके लिए उन्हें उत्तरदायित्व का पाठ पढ़ना आवश्यक है।

4. भारतीय लोकतंत्र के मार्ग में कौन-कौन-सी बाधाएँ हैं? सुधार हेतु आप क्या सुझाव देंगे ?

उत्तर - भारतीय लोकतंत्र के मार्ग में निम्नांकित बाधाएँ हैं।

(i) शिक्षा का अभाव - शिक्षा का अभाव भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी बाधा है। भारतीय समाज का एक बड़ा भाग आज भी अशिक्षित है। शिक्षा के अभाव में व्यक्ति अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों को भली प्रकार समझ नहीं पाते। शिक्षा के द्वारा ही वे अपने आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं विविध प्रकार के अधिकारों के प्रति सजग होंगे।

(ii) निर्धनता - यह भारतीय लोकतंत्र की दूसरी बड़ी बाधा है। यहाँ निर्धनता अपनी चरम सीमा पर है। जिन्हें भरपेट भोजन नहीं मिलता, वे भला वोट के महत्त्व को कैसे समझ पाएँगे? अतः, निर्धन लोगों के लिए चुनाव, मतदान एवं लोकतंत्र का कोई महत्त्व नहीं रह जाता।

(iii) आपसी भेदभाव - यहाँ की जनता के बीच जाति, धर्म, ऊँच-नीच आदि का गहरा भेदभाव है। यहाँ आए दिन कहीं न कहीं सांप्रदायिक हिंसा, लूटपाट एवं मारपीट की घटनाएँ घट रही हैं। इससे लोकतंत्र कमजोर होता है। यह लोकतंत्र की राह में बहुत बड़ी बाधा है।

(iv) जागरूकता का अभाव - भारत में नागरिक गुणों का नितांत अभाव है। आबादी का एक बहुत बड़ा भाग जहाँ गरीब एवं अशिक्षित है, वहाँ के लोगों में जागरूकता का अभाव होना स्वाभाविक है। यही कारण है कि वे अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों को भलीभाँति नहीं समझ पाते हैं। यह लोकतंत्र की सबसे बड़ी बाधा है।

अतः, इन बाधाओं को दूर करके ही भारत में लोकतंत्र का विकास किया जा सकता है।

5. बिहार में लोकतंत्र के मार्ग की प्रमुख बाधाएँ कौन हैं?

उत्तर - बिहार भारतीय संघ का एक राज्य है और सत्ता में इसकी भी भागीदारी है। बिहार में लोकतांत्रिक व्यवस्था प्राचीनकाल में भी विद्यमान थी। बिहार के ही वैशाली जिले में लिच्छवी गणतंत्र फला-फूला। भारत की तरह बिहार का लोकतंत्र भी सफलता के मार्ग पर अग्रसर है। इसके बावजूद, बिहार में लोकतंत्र के मार्ग में अनेक बाधाएँ हैं और भारतीय लोकतंत्र की भाँति बिहार में भी लोकतंत्र को अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। शिक्षा की दृष्टि से सबसे पिछड़े राज्य बिहार में लोकतंत्र में विश्वास की कमी, नागरिक गुणों का अभाव, मताधिकार के प्रति उदासीनता, मूल्यविहीन राजनीति जैसी बाधाएँ लोकतंत्र के मार्ग में खड़ी हैं। जहाँ भारत की साक्षरता दर 73 प्रतिशत है, वहाँ बिहार की साक्षरता दर सिर्फ 61.8 प्रतिशत है। बिहार में लोकतंत्र की जड़ें गहरी हो सकें और इसके मार्ग की बाधाएँ दूर हो सकें, इसके लिए सबसे अधिक आवश्यकता बिहार को विकास के मार्ग पर

आगे बढ़ाने की है। इसके लिए व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर इसके विकास में भागीदार बनने की आवश्यकता है।

5. लोकतंत्र की चुनौतियाँ

1. मॉडर्न डेमोक्रेसि नामक पुस्तक के लेखक हैं

(A) लॉर्ड ब्राईस

(B) जे० एस० मील

(C) अब्राहम लिंकन

(D) गार्नर

Ans-A

2. 1789 में ..... क्रांति हुई।

(A) फ्रांसीसी

(B) गौरवपूर्ण

(C) औद्योगिक

(D) रूसी

Ans-A

3. किस देश ने स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुत्व का नारा दिया ?

(A) इंग्लैंड

(B) अमेरिका

(C) फ्रांस

(D) स्विट्जरलैण्ड

Ans-D

4. विधि के शासन की शुरुआत किस देश से हुआ

(A) भारत

(B) अमेरिका

(C) फ्रांस

(D) इंग्लैंड

Ans-D

5. अरस्तू कहाँ के दार्शनिक थे ?

(A) कम्बोडिया

(B) यूनान

(C) थाइलैंड

(D) इन्डोनेशिया

Ans-B

6. उत्तरदायी सरकार का सिद्धान्त निम्न में से किस क्रांति की देन है ?

(A) गौरवपूर्ण क्रान्ति

(B) अमेरिकी क्रान्ति

(C) फ्रांसीसी क्रान्ति

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-A

7. प्रत्यक्ष लोकतंत्र का देश कौन है ?

(A) स्विट्जरलैंड

(B) अमेरिका

(C) ब्रिटेन

(D) भारत

Ans-A

8. इंग्लैंड में विधि का शासन किसकी देन है ?

(A) हॉब्स

(B) डायसी

(C) लॉर्ड ब्राइस

(D) गार्नर

Ans-B

9. गौरवपूर्ण क्रांति कब हुई ?

(A) 1789 ई० में

(B) 1776 ई० में

(C) 1688 ई० में

(D) 1215 ई० में

Ans-C

10. नए सर्वेक्षण के आधार पर भारत वर्ष मैं मतदाताओ की संख्या है लगभग –

(A) 71 करोड़

(B) 75 करोड़

(C) 90 करोड़

(D) 81.40 करोड़

Ans-D

11. दुनिया के कितने हिस्से मे अभी तक लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था नहीं है ?

(A) आधे

(B) एक चौथाई

(C) एक तिहाई

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-B

12. कैथोलिकों और प्रोटेस्टेंटो की धार्मिक कट्टरता ने हिंसक संघर्षों को कहाँ जन्म दिया ?

(A) जर्मनी

(B) उत्तरी आयरलैंड

(C) फ्रांस

(D) बेल्जियम

Ans-B

13. टोनी ब्लेयर किस देश के प्रधानमंत्री बने थे ?

(A) जर्मनी

(B) इंग्लैंड

(C) इजरायल

(D) फ्रांस

Ans-B

14. लोकतांत्रिक देशों में फैसले एवं निर्णय किसके द्वारा लिए जाते हैं ?

(A) व्यवसायियों द्वारा

(B) पदाधिकारियों द्वारा

(C) जनप्रतिनिधियों के द्वारा

(D) धार्मिक संगठनों के द्वारा

Ans-C

15. लोकतंत्र के सामने सबसे बड़ी चुनौती क्या है ?

(A) खाद्यान की व्यवस्था

(B) उच्च शिक्षा की व्यवस्था

(C) लोकतंत्र को सशक्त बनाना

(D) जनसंख्या पर नियंत्रण

Ans-C

16. इनमें से कौन एक लोकतांत्रिक समस्या नहीं है ?

(A) मुद्रा का अवैध आगमन

(B) राष्ट्रीय अखंडता

(C) आतंकवाद

(D) क्षेत्रवाद

Ans-B

17. इनमें किस देश में अप्रत्यक्ष लोकतंत्र है ?

(A) भारत

(B) अमेरिका

(C) इंग्लैंड

(D) इनमें सभी

Ans-D

18. वर्तमान में नेपाल की शासन प्रणाली क्या है ?

(A) लोकतंत्र

(B) राजतंत्र

(C) सैनिकतंत्र

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-A

19. भारतीय लोकतंत्र के कितने अंग है ?

(A) दो

(B) तीन

(C) चार

(D) पाँच

Ans-B

20. वर्तमान में नेपाल की शासन प्रणाली है -

(A) राजशाही

(B) लोकतंत्रात्मक

(C) सैनिक तंत्र

(D) तानाशाही

Ans-B

21. किसी भी लोकतंत्र की सफलता में किसकी भूमिका एक सर्वमान्य सत्य है ?

(A) चुनाव आयोग

(B) प्रधानमंत्री

(C) स्वतंत्र और निष्पक्ष न्यायपालिका

(D) नीति आयोग

Ans-C

22. किसने कहा था - "कार्यपालिका में ऊर्जा होनी चाहिए तो विधायिका में दूरदर्शिता जबकि न्यायपालिका में सत्य के प्रति निष्ठा और संयम होना चाहिए।"

(A) जार्ज वाशिंगटन

(B) अब्राहम लिंकन

(C) जॉन एफ केनेडी

(D) अलेक्जेंडर हैमिल्टन

Ans-D

23. भारत में लोकतंत्र की चुनौती क्या है ?

(A) जातिवाद

(B) आतकवाद

(C) परिवारवाद

(D) इनमें सभी

Ans-D

24. निम्नलिखित में से कौन भारतीय लोकतंत्र की चुनौती नहीं है ?

(A) मुस्लीम भेदभाव को समाप्त करना

(B) संघ एवं इकाइयों के बीच टकराव

(C) सामाजिक भेदभाव

(D) मजबूरी की गठबंधन

Ans-A

25. आजकल लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा चुनौती क्या है ?

(A) गरीबी

(B) अखण्डता

(C) भ्रष्टाचार

(D) शिक्षा का अभाव

Ans-C

26. भारत में लोकतंत्र के विकास के मार्ग में कौन-सी प्रमुख चुनौतियाँ है ?

(A) सामाजिक भेदभाव समाप्त करना

(B) आतंकवाद

(C) जातीय समस्या को समाप्त करना

(D) नागरिक अधिकार को लागू करना

Ans-A

27. लोकतंत्र के मार्ग की सबसे बड़ी बाधा क्या है ?

(A) लोकतंत्र में आस्था

(B) अशिक्षा

(C) सामाजिक समानता

(D) राजनीतिक जागृति

Ans-B

28. निम्न में से कौन एक सामाजिक कुरीतियों में शामिल नहीं है ?

(A) बाल मजदूरी

(B) नारी शोषण

(C) जातिवाद

(D) राष्ट्रीयता

Ans-D

29. पद्रहवें लोकसभा चुनाव में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (UPA) द्वारा लोकसभा की 543 सीटों में से कितने सीटों पर विजय प्राप्त की?

(A) 260

(B) 262

(C) 255

(D) 265

Ans-D

30. इनमें से प्रत्यक्ष कर का उदाहरण है ?

(A) आय कर

(B) बिक्री कर

(C) उत्पाद शुल्क

(D) सीमा शुल्क

Ans-A

31. इनमें से अप्रत्यक्ष कर का उदाहरण कौन है ?

(A) व्यय कर

(B) निगम कर

(C) बिक्री कर

(D) सम्पत्ति कर

Ans-C

32. लोकतंत्र किसको बढ़ावा नहीं देता है ?

(A) समानता की भावना को

(B) गरिमा एवं प्रतिष्ठा को

(C) विशेषाधिकार को

(D) फैसला लेने की गुणवत्ता को

Ans-C

33. स्विट्जरलैंड में महिलाओं को मताधिकार किस वर्ष प्राप्त हुआ ?

(A) 1848

(B) 1871

(C) 1971

(D) 1991

Ans-B

34. महिला आरक्षण बिल विधेयक में महिलाओं के लिए कितने प्रतिशत आरक्षण की बात कही गई है ?

(A) 22 प्रतिशत

(B) 25 प्रतिशत

(C) 33 प्रतिशत

(D) 35 प्रतिशत

Ans-C

35. 15वीं लोकसभा चुनाव से पूर्व लोकसभा में महिलाओं की भागीदारी थी -

(A) 10 प्रतिशत

(B) 15 प्रतिशत

(C) 33 प्रतिशत

(D) 50 प्रतिशत

Ans-A

36. राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम किस वर्ष बना ?

(A) 1990

(B) 1985

(C) 1965

(D) 1995

Ans-A

37. निम्नलिखित में से किस शासन में महिलाओं को मतदान का अधिकार होता है ?

(A) लोकतांत्रिक शासन

(B) धार्मिक शासन

(C) तानाशाही शासन

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-A

38. किस देश की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी सबसे ज्यादा है ?

(A) ब्रिटेन

(B) अमेरिका

(C) भारत

(D) आयरलैंड

Ans-A

39. इनमें कौन लोकतंत्र की चुनौती का उदाहरण नहीं है ?

(A) दक्षिण अफ्रिका में गोरे अल्पसंख्यकों को दी गई रियासतें वापस लेने का दबाव।

(B) सऊदी अरब में महिलाओं को सार्वजनिक गतिविधियों में हिस्सा लेने को अनुमति नहीं।

(C) भारत में अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा।

(D) श्रीलंका में सरकार और तमिलों के बीच तनाव

Ans-C

40. लिच्छवी किसकी उदाहरण थी ?

(A) प्राचीन गणतंत्र

(B) राजतंत्र

(C) तानाशाही

(D) सैनिक सत्ता

Ans-A

41. लिच्छवी गणतंत्र भारत के किस राज्य में अवस्थित था ?

(A) बिहार

(B) राजस्थान

(C) महाराष्ट्र

(D) त्रिपुरा

Ans-A

42. एनक्रुमा कहाँ के राष्ट्रपति चुने गए थे ?

(A) पोलैण्ड

(B) चीन

(C) घाना

(D) मैक्सिको

Ans-C

43. रंगभेद के खिलाफ मंडेला ने कहाँ आन्दोलन चलाया था ?

(A) मैक्सिको

(B) द० अफ्रीका

(C) बोलिविया

(D) युगोस्लाविया

Ans-B

44. महादलितों के लिए विकास के लिए 'महादलित आयोग' किस राज्य में बनाया गया है ?

(A) केरल

(B) झारखंड

(C) बिहार

(D) उत्तर प्रदेश

Ans-C

45. जनरल पिनोशे का संबंध किस देश से था ?

(A) चीली

(B) पोलैण्ड

(C) म्यांमार

(D) घाना

Ans-A

46. किस देश में लिट्टे नामक आतंकवादी संगठन का गठन किया गया था ?

(A) श्रीलंका

(B) म्यांमार

(C) पाकिस्तान

(D) अफगानिस्तान

Ans-A

47. किस देश में महिलाओं को सार्वजनिक गतिविधियों में हिस्सा लेने पर प्रतिबंध लगा रखा है ?

(A) बेल्जियम

(B) नेपाल

(C) युगोस्लाविया

(D) सऊदी अरब

Ans-D

48. 2009 में संपन्न बिहार विधान सभा के उपचुनावों के दौरान किस राजनीतिक दल ने यह कह दिया कि किसी परिजन को पार्टी होने वाले उपचुनाव में उम्मीदवार नहीं बनाएगी।

(A) भारतीय जनता पार्टी

(B) जनता दल (यू०)

(C) कांग्रेस पार्टी

(D) राष्ट्रीय जनता दल

Ans-B

49. आंग सांग सू० की० किस देश में लोकतंत्र को लाने के लिए प्रयासरत हैं ?

(A) सिंगापुर

(B) तिब्बत

(C) म्यांमार

(D) भूटान

Ans-C

50. कौन-सा देश जाति तनाव एवं आपसी संघर्ष में विखंडित हो गया ?

(A) युगोस्लाविया

(B) बेल्जियम

(C) पोलैंड

(D) श्रीलंका

Ans-A

51. भारत में मानव अधिकार सुरक्षा अधिनियम कब पारित हुआ ?

(A) 1991 ई०

(B) 1993 ई०

(C) 1995 ई०

(D) 1997 ई०

Ans-B

52. सूचना का अधिकार अधिनियम कानून कब लागू हुआ ?

(A) 2004

(B) 2005

(C) 2009

(D) 2007

Ans-B

53. सेवा का अधिकार (राइट टू सर्विस एक्ट) बिहार में कब लागू किया गया ?

(A) 15 अगस्त, 2009 में

(B) 15 अगस्त, 2010 में

(C) 15 अगस्त, 2011 में

(D) 15 अगस्त, 2012 में

Ans-C

54. लोकतांत्रिक सुधार कौन करते हैं ?

(A) चुनाव आयोग

(B) राजनीतिक दल

(C) नागरिक संगठन

(D) मीडिया

Ans-B

55. भ्रष्टाचार पर अंकुश कौन-सा कानून लगाता है ?

(A) शिक्षा का अधिकार कानून

(B) सम्पत्ति का अधिकार कानून

(C) लोकसेवा का अधिकार कानून

(D) सूचना का अधिकार कानून

Ans-D